R/293-B/21

M.A. III SEMESTER (Main/ATKT) EXAMINATION, DECEMBER-2021

हिन्दी साहित्य

PAPER - IV (वैकल्पिक)

जयशंकर प्रसाद

Time : Three hours **Maximum Marks : 40**
Minimum Marks : 14

Note : सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में निर्धारित अंक दर्शाए गए हैं।

खण्ड 'अ'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.1 सही उत्तर दीजिए – **1x5 = 05**

(i) जयशंकर प्रसाद ने आकाश दीप कहानी को किस सन् में लिखा?

(ii) 'रानी केतनी की कहानी' के कहानीकार का नाम लिखिए।

(iii) जयशंकर प्रसाद का तितली उपन्यास किस प्रकार का उपन्यास है?

(iv) 'ममता' कहानी में किस मुगल सम्राट को ममता ने अपनी झोपड़ी में शरण दी?

(v) 'झाँसी की रानी' उपन्यास के लेखक कौन हैं?

खण्ड 'ब' Section 'B'

लघु उत्तरीय प्रश्न

Short Answer Type Questions

2x5 = 10

Q.2 'कंकाल' उपन्यास का उद्देश्य लिखिए।

अथवा OR

आकाश दीप कहानी में नायिका के अंतर्द्वन्द पर टिप्पणी लिखिए।

Q.3 मनोवैज्ञानिक उपन्यास किसे कहते हैं?

अथवा OR

सामाजिक कहानी से क्या तात्पर्य है?

Q.4 प्रसाद के उपन्यासों में नारी का स्थान संक्षेप में लिखिए।

अथवा OR

प्रसाद की ऐतिहासिक कहानियों पर टिप्पणी लिखिए।

Q.5 'गुण्डा' कहानी का उद्‌देश्य लिखिये।

अथवा OR

'ममता' कहानी के आधार पर ममता के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

Q.6 सुदर्शन की कहानियों की मुख्य चार विशेषताएँ लिखिए।

अथवा OR

अमृतलाल नागर के उपन्यासों के मुख्य विषय क्या हैं?

खण्ड 'स'
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5x5 = 25

Q.7 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

क्यों, क्या हिन्दू होना परम सौभाग्य की बात है? जब उस समाज की अधिकांश पददलित और दुर्दशाग्रस्त है, जब उसके अभिमान और गौरव की वस्तु धरापृष्ठ पर नहीं बची—उसकी संस्कृति विडम्बना, उसकी संस्था सारहीन और राष्ट्र—बौद्वों के शून्य के सदृश बन गया है; जब संसार की अन्य जातियाँ सार्वजनिक भ्रातृभाव और साम्यवाद को लेकर खड़ी हैं, तब आपके इन खिलौनों से भला उसकी सन्तुष्टि होगी?

अथवा OR

चंपा ! मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता। पर मुझे अपने हृदय के एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो।

Q.8 निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

पाप और कुछ नहीं है यमुना, जिन्हें हम छिपाकर करना चाहते हैं, उन्हीं कर्मो को पाप कह सकते हैं, परन्तु समाज का एक बड़ा भाग उसे यदि व्यवहार्य बना दें, तो वहीं कर्म हो जाता है, धर्म हो जाता है। देखती नहीं हो, इतने विरुद्ध मत रखने वाले संसार के मनुष्य अपने–अपने विचारों में धार्मिक बने हैं। जो एक के यहाँ पाप है, वहीं तो दूसरे के लिए पुण्य है।

अथवा OR

काशी के उत्तर धर्मचक्र विहार, मौर्य और गुप्त सम्राटों की कीर्ति का खंडहर था। भग्न चूड़ा तृण–गुल्मों से ढके हुए प्राचीर, ईटों के ढेर में बिखरी हुई भारतीय शिल्प की विभूति, ग्रीष्म की चंद्रिका में अपने को शीतल कर रही थी।

Q.9 हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिये।

अथवा OR

हिन्दी कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

Q.10 जयशंकर प्रसाद की उपन्यास कला पर एक लेख लिखिए।

अथवा OR

प्रसाद की कहानियों की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

Q.11 जयशंकर प्रसाद की 'आकाशदीप' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा OR

मुशी प्रेमचन्द के व्यक्तित्व–कृतित्व पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

●●●